उच्चमाध्यमिक समतुल्य पाठ्यक्रम

Higher Secondary Equivalency Course

पहला वर्ष

FIRST YEAR

XI

हिंदी

◆◆◆◆◆◆◆◆◆◆◆◆◆◆◆

केरल सरकार

शिक्षा विभाग

केरल राज्य साक्षरता मिशन प्राधिकरण (KSLMA) और

केरल राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद् (SCERT)

द्वारा तैयार की गई

2019

वक्तव्य

प्रिय बंधु,

केरल राज्य साक्षरता मिशन प्राधिकरण की ओर से शुरु किया गया उच्च माध्यमिक समतुल्य पाठ्यक्रम भारत में ही सबसे पहला कार्यक्रम है। एस.सी.इ.आर.टी की अकादमिक सहकारिता से तैयार की गई उच्च माध्यमिक समतुल्य अध्यापक दर्शिका में अंग्रेज़ी, मलयालम, हिंदी, इतिहास, अर्थशास्त्र, राजनीति विज्ञान, समाज विज्ञान, लेखाशास्त्र, गाँधियन स्टडीस, बिजिनस स्टडीस आदि विषयों में 13 पुस्तकें समाहित की गई हैं।

अधिगम प्रक्रियाओं में गुज़रते वक्त अध्येताओं को होनेवाली शंकाओं का समाधान के लिए संपर्क कक्षाओं में अध्यापक दर्शिका की संभावनाओं का पूरा लाभ उठाना है। अनुवर्ती कार्य एवं संवादात्मक गतिविधियों के ज़रिए अधिगम प्रक्रिया एक सुरुचिपूर्ण अनुभव बनाना है। अध्यापक दर्शिका के रचनाकार्य में सहयोग दिए अध्यापक, विशेषज्ञ, एस.सी.इ.आर.टी फाकल्टी कर्मचारी सबको शुक्रिया अदा करता हूँ।

डॉ.पी.एस.श्रीकला
निदेशक
केरल राज्य साक्षरता मिशन प्राधिकरण

अनुक्रमणिका

- **एक तिनका** 1-3

  कविता अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध'

- **कश्मीरी सेब** 4-5

  कहानी प्रेमचंद

- **इतिहास रचा** 6

  अनुवाद

- **निश्शब्द** 7-8

  कविता अशोक वाजपेयी

- **मेरा सपना है** 9-10

  भाषण मार्टिन लूथर किंग जूनियर

- **समझौता** 11

  लघुकथा हरिशंकर परसाई

- **ज़रा ध्यान दें** 12

  पारिभाषिक शब्द

- **आप भले तो...** 13-15

  निबंध श्रीमन्नारायण

- **अमर वाणी** 16-17

  मध्यकालीन कविता तुलसीदास, रहीम

Unit -1

एक तिनका

समय : 3 घंटे

अहंकार बुरी बात है। यह मानव को शोभा नहीं देता। द्विवेदी युगीन कवि श्री अयोध्यासिंह उपाध्याय हरिऔध की कविता है एक तिनका।

इकाई रुपरेखा

आशय/धारणा	गतिविधियाँ	अधिगम उपलब्धियाँ
• द्विवेदी युगीन कविताओं की अपनी विशेषताएँ हैं। • अहंकार से दूर रहना है।	वाचन प्रक्रिया (स्वनिर्धारण) विश्लेषणात्मक प्रश्नों के ज़रिए चर्चा (अध्यापिका का निर्धारण) पत्र लेखन (अध्यापिका का निर्धारण) आस्वादन टिप्पणी लेखन (अध्यापिका का निर्धारण) घटना लेखन (अध्यापिका का निर्धारण)	• द्विवेदी युगीन कविताओं का परिचय पाकर टिप्पणी लिखता है। • कविता का आस्वादन करके टिप्पणी लिखता है।

प्रवेश-कार्य

- छात्रों से दोहे का वाचन कराएँ (पन्ना सं.9)
- अध्यापक दोहे का भाव समझाएँ (पन्ना सं.9)

अध्यापिका का संक्षिप्तीकरण

अहंकार किसीको शोभा नहीं देता। जिसको विनय है वह जीवन में सफल बनता है। द्विवेदी युग के प्रमुख कवि अयोध्यासिंह उपाध्याय हरिऔध ने अहंकार व्यक्ति का उपहास करते हुए एक सुंदर कविता लिखी है 'एक तिनका'। वह पढ़ें।

सूचनात्मक वाचन

- छात्र अपरिचित शब्दों का अर्थ ढूँढ़ लें।
- अध्यापिका आवश्यक मदद दें।
- सूचनात्मक प्रश्नों का उत्तर छात्र ढूँढ़ लें। (पन्ना सं.11)

(सही प्रस्तुति पर स्वनिर्धारण)

➢ सहायक संकेत - पन्ना सं.14

विश्लेषणात्मक वाचन

छात्र विश्लेषणात्मक प्रश्नों का उत्तर ढूँढ़ लें। (पन्ना सं.11)

(सही प्रस्तुति पर आपसी निर्धारण)

सहायक संकेत (पन्ना सं.15)

➢ कविता का आशय अध्यापिका समझाएँ

- निर्धारण के प्रश्न कराएँ।
- छात्र आस्वादन टिप्पणी लिखें। (प्रदत्त कार्य)

➢ पत्र लेखन की प्रक्रिया पर चर्चा

- पत्र के प्रसंग का चयन (कविता की घटना)
- पत्र की शुरुआत
- कविता की घटना का वर्णन
- पत्र की रुपरेखा का पालन

➢ पत्र-लेखन प्रदत्त कार्य के रूप में कराएँ।

(सूचकों के आधार पर पत्र का स्वनिर्धारण)

(पन्ना सं.13)

पत्र का टीचर वेर्शन

प्रिय मित्र,

तुम कैसे हो। घरवाले सब कुशल है न? मैं यहाँ ठीक हुँ। अभी कुछ दिन पहले मेरे जीवन में एक घटना घटी। एक दिन मैं मुंडेरे पर खड़ा था। अचानक एक तिनका दूर से उड़ता हुआ मेरी आँखों में पड़ गया। मेरी आँखें लाल हो गईं और दुखने लगी। लोग कपडे की मूँठ देने लगे। ओफ ....। किसी न किसी तरह वह तिनका मेरी आँखों से निकल गया। इस घटना ने मेरे जीवन को ही बदल डाला। पहले मुझे अपने पर बड़ा गर्व था। अब मुझे मालूम हुआ अहंकार बहुत बुरी चीज़ है। जीवन में सफलता मिलने के लिए अहंकार को त्यागना चाहिए। तुझे मिलने के लिए मेरा मन कर रहा है। लेकिन अभी मैं वहाँ आ नहीं सकता। बहुत व्यस्त हूँ। तुम्हारे जवाबी पत्र की प्रतीक्षा में.

एरणाकुलम — तुम्हारा मित्र

4-6-15 — सोहन

आस्वादन-टिप्पणी लेखन प्रदत्त कार्य के रूप में दें। (पन्ना सं. 13)।

(सूचकों के आधार पर आस्वादन-टिप्पणी का स्वनिर्धारण (पन्ना सं. 13)।

आस्वादन टिप्पणी का टीचर वेर्शन

खड़ीबोली हिंदी के प्रसिद्घ कवि श्री. अयोध्यासिंह उपाध्याय हरिऔध की प्रसिद्घ कविता है 'एक तिनका'। कवि का कहना है कि मानव का अहंकार दूर करने के लिए एक तिनका काफी है। प्रस्तुत कविता में एक घमंडी आदमी मुंडेरे पर खड़ा था। सहसा उसकी आँखें लाल होकर दुखने लगी। वह बहुत परेशान हुआ। लोग कपड़े की मूँठ देने लगे। किसी न किसी तरह तिनका उसकी आँखों से निकल गया।

कवि के अनुसार अहंकार बहुत बुरी बात है। अहंकार से मानव का नाश होता है। जो विनम्र है वही जीवन में सफल बन जाता है।

- घटना-लेखन प्रदत्त-कार्य के रूप में दें। (पन्ना सं - 14)
- सुचकों के आधार पर घटना का स्वनिर्धारण (पन्ना सं 14)

Unit -2

कश्मीरी सेब

समय : 3 घंटे

हिंदी के कहानी सम्राट प्रेमचंद की एक विख्यात कहानी है 'कश्मीरी सेब'। प्रस्तुत कहानी का विषय आजकल समाज में प्रचलित सौदागरी की बेईमानी है। साथ-साथ ग्राहकों को इस बेईमानी से बचने का उपदेश भी देते हैं।

इकाई रूपरेखा

आशय/धारणा	गतिविधियाँ	अधिगम उपलब्धियाँ
• प्रेमचंदयुगीन कहानियों की निजी विशेषता है। • ग्राहक के अपने अधिकार होते हैं।	• सूचनात्मक वाचन (स्वनिर्धारण) • विश्लेषणात्मक वाचन (आपसी निर्धारण) • वार्तालाप लेखन (अध्यापिका का निर्धारण) • भाषण की तैयारी (आपसी निर्धारण)	• प्रेमचंदयुगीन कहानी का आशय ग्रहण करके विधांतरण करता है।

प्रवेश कार्य

महात्मागांधी के कथन का वाचन एवं चर्चा (पन्ना सं.17)

संक्षिप्तीकरण

ग्राहक आदर का पात्र है। सौदागर की ईमानदारी ग्राहक की सेवा पर निर्भर है। ग्राहक के अपने अधिकार होते हैं। उसपर लिखी गई प्रेमचंद की एक कहानी पढ़ें।

सूचनात्मक वाचन

- अपरिचित शब्दों का अर्थ ढूँढ़ लें।
- सूचनात्मक प्रश्नों का उत्तर ढूँढ़ लें। (पन्ना संख्या : 22)

  (सही उत्तर पर स्वनिर्धारण)

  सहायक संकेत – पन्ना संख्या : 25

विश्लेषणात्मक वाचन

- विश्लेषणात्मक प्रश्नों का उत्तर ढूँढ़ लें। (पन्ना संख्या : 22-23)

(सही उत्तर पर आपसी निर्धारण)

- सहायक संकेत – पन्ना संख्या : 26-27

➢ वार्तालाप-लेखन की प्रक्रिया पर चर्चा।

- वार्तालाप के प्रसंग का चयन
- प्रसंगानुसार विषयवस्तु का चयन
- शुरुआत का चयन
- प्रसंगानुकूल एव पात्रानुकूल भाषा शैली का चयन।
- सही समाप्ति

➢ प्रदत्त कार्य के रूप में वार्तालाप लेखन कराएँ।

➢ सूचकों के आधार पर (पन्ना सं. 24) वार्तालाप का स्वनिर्धारण भी कराएँ।

वार्तालाप का टीचर वेर्शन

लेखक	:	नमस्ते भाई।
खोंचेवाला	:	नमस्ते साहब, आपको क्या चाहिए?
लेखक	:	कुछ नहीं चाहिए। मगर ....
खोंचेवाला	:	क्या बात है साहब?
लेखक	:	कल मैं यहाँ रेवड़ियाँ खरीदने आया था। क्या तुम्हें याद है?
खोंचेवाला	:	हाँ .... हाँ याद है। क्या हुआ साहब ?
लेखक	:	मुझसे एक गलती हुई । मैं पैसे की जगह तुम्हें एक अठन्नी देकर गया।
खोंचेवाला	:	ओ ... तो यह बात है। लीजिए सर आपकी अठन्नी। माफ़ कीजिए मैंने भी उतना ध्यान नहीं दिया।
लेखक	:	कोई बात नहीं। ठीक है। धन्यवाद।
खोंचेवाला	:	धन्यवाद।

➢ चर्चा करें (आपसी निर्धारण)

- ➢ छात्रों को चार ग्रूपों में बाँटे।
- ➢ हर एक ग्रूप के अलग-अलग मुद्दे दें।
- ➢ ग्रूप में चर्चा।
- ➢ प्रत्येक ग्रूप की ओर प्रस्तुति।
- ➢ चर्चा के आधार पर वैयक्तिक रूप से भाषण की तैयारी।

(सूचकों (पन्ना सं 24) के आधार पर भाषण का स्वनिर्धारण)

Unit -3

इतिहास रचा

समय : 3 घंटे

अनुवाद एक कला है। अनुवाद में सृजनपरता भी होती है। अनुवादक को स्रोतभाषा एवं लक्ष्यभाषा की संरचनात्मक जानकारी होनी चाहिए।

इकाई रूपरेखा

आशय/धारणा	गतिविधियाँ	अधिगम उपलब्धियाँ
• रपट की निजी भाषा शैली है। • अनुवाद एक सृजन-प्रक्रिया है।	• प्रवेश कार्य • सूचनात्मक वाचन • शब्द-मिलान • वाक्यांशों का चुनाव • संशोधन • अनुवाद • संकलन	• रपट पढ़कर आशय ग्राहण करता है। • अंग्रेजी से हिंदी में अनुवाद करता है।

प्रवेश कार्य

- ➢ अनुवाद की परिभाषा (पन्ना सं 28) का वाचन।
- ➢ रपट का वाचन
- ➢ अपरिचित शब्दों का अर्थ ढूँढ़ लें।
  (शब्दार्थों के सही चयन पर स्वनिर्धारण)
- ➢ सूचनात्मक प्रश्नों (पन्ना सं 30) का उत्तर ढूँढ़ लें। (सही उत्तर पर स्वनिर्धारण)
- ➢ अंग्रेज़ी अनुवाद का वाचन।
- ➢ अंग्रेज़ी अनुवाद के आधार पर शब्द-मिलान।
  (शब्दों के चयन पर स्वनिर्धारण)
- ➢ अंग्रेज़ी वाक्यांशों का चयन
  (सही चयन पर आपसी निर्धारण)
- ➢ संशोघन (प्रदत्त कार्य)
- ➢ अंग्रेज़ी खंड का हिंदी में अनुवाद (प्रदत्त कार्य)
- ➢ सुर्खियों का संकलन

Unit -4

निश्शब्द

समय : 3 घंटे

आज का मानव बड़ा स्वार्थी है। स्वार्थ ने उसे निर्दय बना दिया है। अशोक वाजपेयी की कविता 'निश्शब्द' पढ़ें।

इकाई रुपरेखा

आशय/धारणा	गतिविधियाँ	अधिगम उपलब्धियाँ
• आधुनिक काल की कविताओं की अपनी विशेषताएँ हैं। • स्वार्थता से दूर रहना है।	• प्रवेश कार्य • सूचनात्मक वाचन (स्वनिर्धारण) • विश्लेषणात्मक वाचन (आपसी निर्धारण) • डायरी लेखन (अध्यापिका का निर्धारण) • आस्वादन-टिप्पणी-लेखन (अध्यापिका का निर्धारण) • चर्चा (आपसी निर्धारण)	• आधुनिक काल की कविताओं का आस्वादन करके टिप्पणी लिखता है। • कविता के आशय का विधांतरण करता है।

प्रवेश कार्य

➢ उक्ति का वाचन एवं चर्चा

अध्यापिका का संक्षिप्तीकरण

स्वार्थी व्यक्ति कभी मानव नहीं हो सकता। ऐसे एक व्यक्ति की जिक्र करनेवाली कविता पढ़ें।

वाचन

सूचनात्मक वाचन

➢ छात्र अपरिचित शब्दों का अर्थ ढूँढ़ें।

➢ छात्र सूचनात्मक प्रश्नों के उत्तर दें। (पन्ना सं. 38)

सहायक संकेत (पन्ना सं. 42)

(सही प्रस्तुति पर स्वनिर्धारण)

विश्लेषणात्मक वाचन

➢ छात्र विश्लेषणात्मक प्रश्नों के उत्तर ढूँढ़ लें।

(पन्ना सं. 38-39)

- डायरी लेखन की प्रक्रिया पर चर्चा (पन्ना सं. 40)
- कविता के आधार पर मुख्य घटनाओं का चयन।
- घटनाओं के आधार पर शहरी आदमी के आत्मसंघर्ष की पहचान।
- शहरी आदमी की संवेदना को आत्मसात करना।
- घटनाओं की सूचना देना।
- शहरी आदमी के आत्मसंघर्ष एवं संवेदना को आत्मनिष्ठ भाषा में प्रस्तुत करना।
  (चर्चा की भागीदारी पर आपसी निर्धारण)
- प्रदत्त कार्य के रूप में शहरी आदमी की डायरी लिखने का निर्देश दें।
- सूचकों के आघार पर (पन्ना सं 40)
- डायरी का स्वनिर्घारण भी करने का निर्देश दें।

डायरी का टीचर वेर्शन

आज का दिन मैं कभी भूल नहीं सकता...

एक आदमी को ऊँची इमारत की पाँचवीं मंज़िल से कूदकर आत्महत्या का प्रयास करते हुए मैंने देखा। मैं उसे रोक लेना चाहता था। लेकिन नहीं किया। फिर मैं लिफ्ट पर चढ़कर ऑफिस गया और पता लगाया कि नई जगह जो उस आदमी की आत्महत्या से खाली हुई है उसपर नियुक्ति कब होगी। बाहर आने पर सडक पर जमी भीड़ की ओर ध्यान न देकर पत्नी के लिए चमेली की माला और बच्चों के लिए दो गुब्बारे खरीदकर निश्शब्द घर चला आया। क्या मैं स्वार्थी हूँ? सिर्फ मैं नहीं, इस दुनिया के सभी लोग स्वार्थी हैं। फिर भी क्या मैंने गलती की है?

- छात्र द्वारा आस्वादन-टिप्पणी लेखन (प्रदत्त कार्य)

आस्वादन-टिप्पणी लेखन

श्री अशोक वाजपेयी की प्रसिद्घ कविता है 'निश्शब्द'। स्वार्थता जन्मजात है। स्वार्थता के कारण मानव दूसरों के बारे में नहीं सोचता। कविता में एक आदमी ऊँची इमारत की पांचवीं मंज़िल से कूदकर आत्महत्या करने जा रहा है। दूसरा उसे रोक लेना चाहता है। लेकिन स्वार्थता के कारण वह लिफ्ट में चढ़कर दफ्तर चला जाता है ताकि उसे पता चलें कि नई जगह पर नियुक्ति कब होगी जो उस आदमी की आत्महत्या से खाली हुई है। बाहर आने पर उसे भीड़ दिखाई देता है लेकिन उसपर ध्यान न देकर पत्नी केलिए चमेली की माला और बच्चों के लिए दो गुब्बारे खरीदकर वह निश्शब्द घर चला जाता है।

'निश्शब्द' कविता बदलते हुए जीवन मूल्यों की ओर इशारा करते हैं। स्वार्थी एवं निर्दयी मानव का चित्रण प्रस्तुत कविता में हुआ है। कविता की भाषा सरल एवं आकर्षक है।

- चर्चा चलाएँ (पन्ना सं. 41)
- छात्रों को पाँच ग्रूपों में बाँटें और हर एक ग्रूप को हर एक बिंदु दें।
- ग्रूप में चर्चा एवं बिंदु दें।
- ग्रूपों में चर्चा एवं प्रस्तुति।
  (चर्चा की भागीदारी पर आपसी निर्धारण)
- लेख की तैयारी (प्रदत्त कार्य)
- सूचकों के आधार पर (पन्ना सं. 41)

छात्रों को लेख का स्वनिर्धारण करने का निर्देश भी दें।

Unit -5

मेरा सपना है

समय : 3 घंटे

28 अगस्त 1963 को वाशिंगटन में मार्टिन लूथर किंग जूनियर ने एक ऐतिहासिक भाषण दिया था। उस भाषण का हिंदी अनुवाद पढ़ें।

इकाई रूपरेखा

आशय/धारणा	गतिविधियाँ	अधिगम उपलब्धियाँ
• भाषण एक कला है। • भाषण अभिप्रेरणादायक है। • स्वतंत्रता मानव का अधिकार है।	• प्रवेश कार्य • सूचनात्मक वाचन (स्वनिर्धारण) • विश्लेषणात्मक वाचन (आपसी निर्धारण) • सूची तैयार करना (अध्यापिका का निर्धारण) • पत्र-लेखन (अध्यापिका का निर्धारण) • भाषण की तैयारी (अध्यापिका का निर्धारण)	• ऐतिहासिक भाषण की प्रासंगिकता पहचानकर भाषण तैयार करता है। • भाषण से अभिप्रेरणा पाकर भाषण के विचारों का निर्धारण करता है।

प्रवेश कार्य

➢ हिंदी परिच्छेद का वाचन एवं चर्चा (पन्ना सं. 45)

अध्यापिका का संक्षिप्तीकरण

दुनिया के कुछ महान नेताओं ने कठिन परिश्रम से देश और दिशा को बदलने का प्रयास किया है। अमेरिका में मार्टिन लूथर किंग जूनियर ने नीग्रो लोगों को मौलिक अधिकार दिलाने के लिए कठिन प्रयत्न किया। वे गांधीजी के अहिंसा और सत्य के मार्ग पर चलनेवाले थे।

वाचन

सूचनात्मक वाचन

➢ छात्र सूचनात्मक प्रश्नों के उत्तर दें। (पन्ना सं. 48)

➢ सहायक संकेत (पन्ना सं. 50)

(स्वनिर्धारण)

विश्लेषणात्मक वाचन

- छात्र विश्लेषणात्मक प्रश्न का उत्तर दें। (पन्ना सं. 48)
- सहायक संकेत (पन्ना सं. 51)
  (आपसी निर्धारण)
- छात्र द्वारा मार्टिन लूथर किंग जूनियर के सपनों का चयन (अध्यापिका का निर्धारण)
- पत्र-लेखन की प्रक्रिया पर चर्चा करें और प्रदत्त कार्य के रूप में पत्र लिखने का निर्देश दें।

पत्र का टीचन वेर्शन

प्रिय मित्र,

नमस्ते। तुम कैसे हो? परिवारवाले कुशल है न? मैं कई दिनों से तुम्हें एक पत्र लिखने की सोच में हुँ। लेकिन समय नहीं मिला। परीक्षा की व्यस्तता में थी। अब परीक्षा पूरी हो चुकी।

एक विशेष बात कहने के लिए यह पत्र भेज रहा हुँ। पिछले हफ्ते मैंने अमरिका के मार्टिन लूथर किंग जूनियर का भाषण यू-डूब में सुना। कितना ज़ोरदार भाषण था। उनकी महत्वाकांक्षाएँ कितनी बड़ी-बड़ी थीं। वे उस स्वतंत्रत अमेरिका का सपना देखते थे जहाँ ऊँच-नीच का भेद नहीं है। जहाँ काले-गोरे का भेद नहीं है, सभी देशवासी एक साथ रहेंगे और जहाँ अन्याय तथा अत्याचार का नामोनिशान तक नहीं होगा। भाषण सुनने पर मेरे मन में भी देशप्रेम की भावना तीव्र हो रही है। तुम भी ज़रूर वह भाषण यू-डूब से डाउनलोड करके सुनने का प्रयास करना। सबसे मेरा प्रणाम कहना।

पालक्काड — तुम्हारा प्यारा मित्र

20-11-2015 — अमल

➢चर्चा चलाएँ।

विषय : 'वर्ण भेद रहित विश्व'

- छात्रों को चार ग्रूपों में बाँटें और हर एक ग्रूप को अलग-अलग मुद्दे दें (पन्ना सं 50)
- हर एक ग्रूप की ओर से प्रस्तुति। (प्रस्तुत विचारों पर आपसी निर्धारण)
- भाषण की तैयारी।
- भाषण-लेखन की प्रक्रिया पर चर्चा।
  - सही शुरुआत
  - प्रस्तुत किए गए मुद्दों को क्रमबद्घ करना
  - मुद्दों को विकसित करना
  - अभिप्रेरणायुक्त एक आकर्षक शैली में
    विषय को प्रस्तुत करना
  - उपसंहार
  - प्रदत्त कार्य के रूप में भाषण तैयार करने का निर्देश दें।
  - सूचकों के आघार पर (पन्ना सं 50) भाषण का स्वनिर्घारण भी कराएँ।

Unit -6

समझौता

समय : 3 घंटे

नई पीढ़ी में सहिष्णुता का अभाव है। इससे ज़िदगी तनावपूर्ण बन जाता है। हरिशंकर परसाई की एक व्यंग्यात्मक लघुकथा 'समझौता' पढ़ें।

इकाई रूपरेखा

आशय/धारणा	गतिविधियाँ	अधिगम उपलब्धियाँ
• लघुकथा की निजी शैली एवं विशेषताएँ हैं। • सहिष्णुता एक महान गुण है।	• प्रवेश कार्य • सूचनात्मक वाचन (स्वनिर्धारण) • विश्लेषणात्मक वाचन • डायरी लेखन • वार्तालाप लेखन	• लघुकथा की शैली एवं विशेषताएँ पहचानकर किसी एक प्रसंग का विधातरण करता है। • लघुकथा का आस्वादन करके टिप्पणी लिखता है।

प्रवेश कार्य

➢ डॉ सतीश दुबे की लघुकथा का वाचन एवं चर्चा।

➢ **संक्षिप्तीकरण**

डॉ सतीश दुबे ने एक छोटी-सी कहानी द्वारा एक गौरवमय बात की ओर इशारा किया है। यही तो लघुकथा की विशेषता है। प्रसिद्ध साहित्यकार हरिशंकर परसाई की एक लघुकथा पढें।

➢ लघुकथा का वाचन

➢ अपरिचित शब्दों का अर्थ ढूँढ़ लें।

➢ सूचनात्मक प्रश्नों का (पन्ना सं. 56) उत्तर ढूँढ़ लें।
(सही उत्तर पर स्वनिर्धारण)

➢ विश्लेषणात्मक प्रश्न का उत्तर ढूँढ़ लें।
(सही उत्तर पर आपसी निर्धारण)

➢ डायरी लेखन की प्रक्रिया पर चर्चा करें और प्रदत्त कार्य के रूप में डायरी लिखने का निर्देश दें।

डायरी का टीचर वेर्शन

दिसंबर 18

आज के ज़माने में लोग इतने असहिष्णु क्यों बन गए? आज की बात तो देख लें। दो साइकिल सवार एक दूसरे से टकराकर गिर पडे। इस छोटी-सी बात पर दोनों आपस में गालियाँ सुनाई, सिर फोड देने को भी तैयार हुए। मेरी बात सुनकर दोनों को हँसी आई नहीं तो क्या होता।

➢ वार्तालाप-लेखन की प्रक्रिया पर चर्चा करें एवं प्रदत्त कार्य के रूप में वार्तालाप लिखने का निर्देश दें।

➢ सूचकों (पन्ना सं. 57) के आधार पर वार्तालाप का स्वनिर्धारण भी कराएँ।

Unit - 7

ज़रा ध्यान दें

समय : 3 घंटे

हिंदी भारत की राजभाषा एवं संपर्क भाषा है। राजभाषा होने के नाते भारत की शासन व्यवस्था में हिंदी का प्रयोग चल रहा है। हिंदी पारिभाषिक शब्दावली की जानकारी कामकाज के क्षेत्र में, अवसर बढ़ाती है।

इकाई रूपरेखा

आशय/धारणा	गतिविधियाँ	अधिगम उपलब्धियाँ
• सूचना और विज्ञापन की निजी शैली है। • पारिभाषिक शब्दावली की जानकारी कामकाज के क्षेत्र में अधिक अवसर देती है।	• प्रवेश कार्य • सूचनात्मक वाचन (स्वनिर्धारण) • सही मिलान (आपसी निर्धारण) • विज्ञापन-वाक्यों का चयन (अध्यापिका का निर्धारण) • विज्ञापन की तैयारी (अध्यापिका का निर्धारण) • पारिभाषिक शब्दों का संकलन	• सूचना और विज्ञापन पढ़कर आशय ग्रहण करता है। • विज्ञापन तैयार करता है। • पारिभाषिक शब्दों का परिचय पाता है और उनका भाषांतरण करता है।

प्रवेश कार्य

➢ अध्यापिका प्रश्न पूछें।
- पारिभाषिक शब्दावली या Technical Terminology माने क्या है?
- छात्रों की प्रतिक्रिया

➢ **संक्षिप्तीकरण**

शिक्षा, विज्ञान, शासनव्यवस्था जैसे क्षेत्रों में विशेष अर्थ में प्रयुक्त शब्द है पारिभाषिक शब्द।

➢ सूचना (पन्ना सं. 61) का वाचन।

➢ विज्ञापन का वाचन।

➢ सूचनात्मक प्रश्नों (पन्ना सं. 63) का उत्तर ढूँढ़ लें।
(सही उत्तर पर स्वनिर्धारण)

➢ पारिभाषिक शब्दों का वाचन (पन्ना सं. 63-65) एवं चर्चा।

➢ (सही मिलान पन्ना सं. 65)
(सही चयन पर आपसी निर्धारण)

➢ विज्ञापन-वाक्यों का संकलन।

➢ विज्ञापन की तैयारी।
सूचकों (पन्ना सं. 66) के आधार पर विज्ञापन का स्वनिर्धारण कराएँ।

➢ पारिभाषिक शब्दों का संकलन (कम से कम 10)।

Unit - 8

आप भले तो

समय : 3 घंटे

मानव होने की वजह से हमें केवल अपने से ही संतुष्ट नहीं होना चाहिए। हमें दूसरों के विचारों का भी सम्मान करना चाहिए। श्रीमन्नारायण का निबंध 'आप भले तो' पढ़ें।

इकाई रूपरेखा

आशय/धारणा	गतिविधियाँ	अधिगम उपलब्धियाँ
• निबंध की अपनी शैली एवं विशेषताएँ हैं। • दूसरों के विचारों का आदर करना है।	• प्रवेश कार्य • सूचनात्मक वाचन (स्वनिर्धारण) • विश्लेषणात्मक वाचन (आपसी निर्धारण) • पत्र-लेखन (अध्यापिका का निर्धारण) • संक्षेप-लेखन (अध्यापिका का निर्धारण) • डायरी-लेखन (अध्यापिका का निर्धारण) • लेख-रचना • सूक्तियों का संकलन	• निबंध की शैलीगत विशेषताएँ पहचानकर आस्वादन करता है। • निबंध के आशय का विश्लेषण करके विधांतरण करता है।

प्रवेश कार्य

➢ स्वामी विवेकानंद के महत् वचन का वाचन एवं चर्चा।

अध्यापिका का संक्षिप्तीकरण

हर मानव में कुछ न कुछ कमियाँ ज़रूर रहती है। लेकिन मानव अपने आप से प्रेम करता है। दूसरों की कमियों के कारण उसे घृणा नहीं करना चाहिए।

वाचन

सूचनात्मक वाचन

➢ छात्र अपरिचित शब्दों का अर्थ ढूँढ़ लें।

➢ छात्र सूचनात्मक प्रश्नों के उत्तर दें। (पन्ना सं. 74)

(सही उत्तर पर स्वनिर्धारण)

- सहायक संकेत (पन्ना सं. 81)

विश्लेषणात्मक वाचन

- छात्र विश्लेषणात्मक प्रश्नों का उत्तर ढूँढ़ लें।
  (उत्तर पर आपसी निर्धारण)
  सहायक संकेत (पन्ना सं. 81)
- कुत्तों की कहानी की ज़िक्र करते हुए मनुष्य के व्यवहार के बारे में लेखक अपने मित्र के नाम पत्र लिखता है। वह पत्र कल्पना करके लिखें। (प्रदत्त कार्य)
- पत्र-लेखन की प्रक्रिया पर चर्चा।
- प्रदत्त कार्य के रूप में लेखक के पत्र का लेखन कराएँ।
- सूचकों के आधार पर (पन्ना सं. 76) पत्र का स्वनिर्धारण भी कराएँ।

पत्र का टीचर- वेर्शन

प्यारे दोस्त,

कैसे हो तुम? घरवाले कुशल है न? बेटी की पढ़ाई कैसे चल रही है? अम्मा की बीमारी कम हो गई है न? मैं ने कल एक कहानी की पुस्तक पढ़ी। उसकी एक कहानी मुझे बहुत अच्छी लगी।

उसमें एक बडी सीख है। कहानी तो यह है, एक विशाल काँच के महल में एक कुत्ते के घुसने पर उसे हज़ारों कुत्ते दिखाई पड़े। उसके भौंकने और झपटने पर हज़ारों कुत्ते भी ऐसे करने लगे। दूसरा एक कुत्ता आया और दुम हिलाए तो हज़ारों कुत्ते भी दुम हिलाए। मुझे लगता है कि हमारी दुनिया भी ऐसी है। अपने स्वभाव की छाया ही उसपर पड़ती है। ठीक है न?

अच्छा भाभी से मेरा प्रणाम कहना, बिटिया से मेरा प्यार। जवाब की प्रतीक्षा में

वयनाड़ तुम्हारा प्यारा

26.5.2016 जॉरजिन

- **संक्षेप लेखन की प्रक्रिया पर चर्चा चलाएँ।**
  - खंड का वाचन (अमेरिका के मशहूर ..... कुटी के अंदर चला गया)
  - खंड का आशयग्रहण।
  - मुख्य बिंदुओं का चयन।
  - चयनीत बिंदुओं की क्रमबद्धता
  - अनावश्यक विस्तार छोड़कर अपनी भाषा में लेखन।
  - उचित शीर्षक का चयन।

संक्षेपण का टीचर वेर्शन

बछड़ा

अमेरिका के मशहूर लेखक इमर्सन के मकान के पास की कुटी में अनेक गायें और नन्हे बछड़ रहते

थे। एक बार ज़ोर बारिश के आने पर एक बछड़ा झोंपड़ी के बाहर रह गया। इमर्सन और उनके लड़के ने ज्यों-ज्यों खींचकर कुटी में ले जाना चाहा त्यों-त्यों बछड़ा पीछे हटने लगा। लेकिन जब उनकी बूढ़ी नौकरानी ने प्यार से उसे झोंपड़ी की तरफ ले जाने का प्रयास किया तब वह चुपचाप अंदर चला गया।

- खंड का संक्षेपण (प्रदत्त-कार्य)
- सूचकों (पन्ना सं. 77) के आधार पर संक्षेपण का स्वनिर्धारण भी कराएँ।

➢ **डायरी लेखन पर चर्चा**

- इमर्सन का डायरी-लेखन प्रदत्त-कार्य के रूप में कराएँ।

डायरी का टीचर वेर्शन

सितंबर 10

आज मेरी आँखें खुल गई...। बूढ़ी नौकरानी ने मुझे एक सबक सिखा दिया।

बारिश होनेवाली थी। मेरे मकान के पास की कुटी में रहनेवाला बछड़ा बाहर रह गया। ज़ोर से खीचंने पर भी वह कुटी की ओर नहीं आया। वह पीछे हटने लगा। बूढ़ी नौकरानी दौड़कर आई और प्यार से उसे कुटी की ओर ले गई। बछड़े के जाने पर मुझे बडा आश्चर्य हुआ। काश, मैं भी उसे प्यार से बुलाता.....

➢ छात्र द्वारा लेख लिखें। (प्रदत्त कार्य)

➢ छात्र द्वारा महापुरुषों की उक्तियों का संकलन।

Unit - 9

अमर वाणी

समय : 3 घंटे

हिंदी साहित्य का सुवर्णकाल है भक्तिकाल अथवा मध्यकाल। इस काल के कवियों ने अपनी रचनाओं के सहारे समाज का पथ-प्रदर्शन किया था।

इकाई रूपरेखा

आशय/धारणा	गतिविधियाँ	अधिगम उपलब्धियाँ
• दोहे की अपनी शैली एवं विशेषताएँ हैं। • तुलसीदास और रहीम मध्यकाल के प्रमुख कवि थे।	• प्रवेश कार्य • सूचनात्मक वाचन • विश्लेषणात्मक वाचन • शब्द चयन • व्याख्या • अनुच्छेद लेखन • संकलन	• तुलसीदास और रहीम के दोहों का आस्वादन करके टिप्पणी लिखता है। • तुलसीदास और रहीम के दोहों की प्रासंगिकता समझकर उनका संकलन करता है।

प्रवेश कार्य

सुकरात की उक्ति का वाचन एवं चर्चा।

➢ **संक्षिप्तीकरण**

कवि समाज का पथ-प्रदर्शक है। मध्यकाल के कवि ऐसे ही थे। उस समय के दो प्रमुख कवियों की रचनाओं से परिचय पाएँगे।

➢ तुलसीदास के दोहों का वाचन।

➢ अपरिचित शब्दों का अर्थ ढूँढ़ लें।
(शब्दार्थों के चयन पर स्वनिर्धारण)

➢ सूचनात्मक प्रश्नों (पन्ना सं. 85) का उत्तर ढूँढ़ लें। (सही उत्तर पर स्वनिर्धारण)

➢ विश्लेषणात्मक प्रश्नों (पन्ना सं. 85) का उत्तर ढूँढ़ लें।
(सही उत्तर पर अध्यापिका का निर्धारण)

➢ शब्दों का चयन (पन्ना सं. 86) (सही चयन पर स्वनिर्धारण)

➢ दोहों की व्याख्या (प्रदत्त कार्य)

➢ सूचकों (पन्ना सं. 86) के आधार पर व्याख्या पर स्वनिर्धारण कराएँ।

- रहीम के दोहों का वाचन।
- अपरिचित शब्दों का अर्थ ढूँढ़ लें।

  (शब्दार्थों के चयन पर स्वनिर्धारण)
- सूचनात्मक प्रश्नों (पन्ना सं. 90) का उत्तर ढूँढ़ लें।

  (सही उत्तर पर स्वनिर्धारण)

विश्लेषणात्मक प्रश्नों का उत्तर ढूँढ़ लें। (सही उत्तर पर आपसी निर्धारण)

- शब्दों का चयन।

(सही चयन पर स्वनिर्धारण)

- दोहों की व्याख्या (प्रदत्त कार्य)
- अनुच्छेद-लेखन (प्रदत्त कार्य)
- दोहों का संकलन।